Thirteenth Loksabha

Session : 11
Date : 17-12-2002
Participants : Paswan Shri Ram Vilas ,Speaker, Shri Manohar Joshi Mr. ,Pramod Mahajan Shri

NT>

Title: Need to discuss in the House the issues concerning atrocities committed against the dalit community and also declaring the residence of Babu Shri Jagjivan Ram as a national monument.

श्री राम विलास पासवान : सर, हमने दलितों पर होने वाली एट्रोसिटीज के संबंध में एडजर्नमैन्ट मोशन दिया है। अब हाउस के सिर्फ तीन दिन बचे हैं। इसके बाद 20 तारीख को सदन बंद हो रहा है। मैं समझता हूँ कि सदन में प्रधान मंत्री से भी ज्यादा अधिकार स्पीकर को होता है। आप सदन के मालिक हैं, संरक्षक हैं। इस सदन में चौथी बार हम इस मुद्दे को उठा रहे हैं। ...(व्यवधान) तीन बार इस मुद्दे पर सदन में सदस्यों ने अपनी राय ज़ाहिर की है। इसमें कोई पार्टी का मामला नहीं है। इस पक्ष के और उस पक्ष के सभी लोगों ने इस बात पर आम सहमति जताई कि शैड्यूल्ड कास्ट्स की एट्रोसिटीज़ का मामला है और पूरे देश में जो इस तरह की घटनाएं घट रही हैं, उनके ऊपर सदन में चर्चा कराई जाए। आपने इसी सदन में कहा कि मैं इसको बीएसी में रखूँगा। दुर्भाग्य से हमको नहीं मालूम है, लेकिन वहां अनुसूचित जाति और जनजाति का रिप्रेजेन्टेशन कम रहता है चूँकि पार्टियों को अपना अपना नाम देना पड़ता है। जो चीफ व्हिप होते हैं, वे जाते हैं। इस परिस्थिति में पहले दिन से ही यह मामला सदन में उठ रहा है और बार-बार सदन को एश्योरेन्स दिया गया है कि इस पर हम डिसकशन अलाउ करेंगे। किस फॉर्म में करेंगे, वह आपकी मर्ज़ी है लेकिन उसके बावजूद भी अभी तक चर्चा के लिए तारीख निर्धारित नहीं की गई है।

उधर न. 6, कृणा मैनन मार्ग का मामला है, वह भी दलित से संबंधित है - बाबू जगजीवन राम जी का। वहां बिजली, पानी काट दी गई है। इधर एट्रोसिटीज़ के मामले बढ़ रहे हैं और अनुसूचित जातियों और जनजातियों की रक्षा करना भारत सरकार की जिम्मेदारी है और मैं समझता हूँ कि देश के विभिन्न भागों में उनके ऊपर एट्रोसिटीज़ बढ़ रही हैं। मैं आपसे आग्रह करने के लिए आया हूँ। यह एक दल का मामला नहीं है। आप इसके ऊपर चर्चा करवाइए और एडजर्नमेंट मोशन लीजिए। This is an appropriate subject for Adjournment Motion और आपने कई बार एडजर्नमेंट मोशन अलाउ किया है। यदि बीएसी में इसके ऊपर निर्णय नहीं लिया गया है तो आपको अधिकार है कि एडजर्नमेंट मोशन के रूप में तत्काल इस पर चर्चा करवाइए, यही मेरा आग्रह है।

श्री रामदास आठवले : दलितों पर अत्याचार विाय पर चर्चा होनी चाहिए।

MR. SPEAKER: Let me make the position clear. रामदास जी, आप बैठिये। इस ि वाय पर परिस्थिति मेरे सामने बिल्कुल स्पट है। यह विाय मैंने बीएसी में रखा था। बीएसी में अनेक विाय होते हैं और इस बारे में चर्चा भी हुई थी। मंत्री जी यहां हैं। जो मैंने कुबूल किया था, वह मैंने पूरा किया।

सरदार बूटा सिंह : आपने नियम 193 के अधीन चर्चा करवाने के लिए कुबूल किया था।

अध्यक्ष महोदय : मैंने बीएसी में रखने के लिए कुबूल किया था और वह मैंने रखा। ...(व्यवधान)

SHRI RAM VILAS PASWAN: Sir, you have said that we should allow the Minister to make his statement and after the statement, you would allow a discussion under Rule 193.

अध्यक्ष महोदय : प्लीज बैठिये। देखिये, मंत्री जी क्या कहते हैं, वह सुनें। You have to listen to the Minister.

श्री रामदास आठवले : यह बहुत महत्वपूर्ण मामला है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : देखिये, मैंने राम विलास पासवान जी को यहां बोलने का मौका दिया और उन्होंने भूमिका रखी है। अभी मंत्री जी क्या बोलते हैं सबको सुनना चाहिए नहीं तो कैसे चलेगा?

...(व्यवधान)

श्री राम विलास पासवान : मैं आपसे आग्रह करूँगा कि आप अपनी रूलिंग देखिये। Sir, you may please go through your ruling. ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please let the Minister reply now. Please sit down. मंत्री जी उत्तर देंगे, बाद में आप बोल सकते हैं। प्लीज़ बैठिये।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैंने अपनी रूलिंग देखी है। बीएसी में मैं लेकर जाने वाला था और मैं गया था बीएसी में। वहां क्या हुआ मंत्री जी बताएंगे। आप सुनेंगे नहीं तो कैसे होगा?

श्री रामदास आठवले : हम सुनेंगे मगर कब तक सुनेंगे?...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : रामदास जी आप बैठिये।

सरदार बूटा सिंह : इस सदन में रूलिंग दी थी कि डिसकशन होगा मगर आपकी रूलिंग के बा वजूद भी इस पर डिसकशन नहीं हो रहा है।

अध्यक्ष महोदय : बूटा सिंह जी, आप बैठिये।

...(व्यवधान)

सरदार बूटा सिंह : बाबू जगजीवन राम जी के घर का क्या हुआ? उस पर रैगुलर आंदोलन चल रहा है। सरकार ने वहां पानी और बिजली काट दिया है। ...(व्यवधान)

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF COMMUNICATIONS AND INFORMATION TECHNOLOGY (SHRI PRAMOD MAHAJAN): Sir, अभी दलितों का तो देखो, घर का बाद में कहना।

श्री रामदास आठवले : कब तक अत्याचार होता रहेगा और इस पर चर्चा भी नहीं होगी? ...(व्यवधान)

श्री प्रमोद महाजन : अध्यक्ष जी, मुझे याद है कि आठ-दस दिन पहले प्रवीण राट्रपाल जी ने यह मुद्दा उठाया था...(व्यवधान) हाँ, दस दिन पहले। ...(व्यवधान)

सरदार बूटा सिंह : पहले दिन की रूलिंग है स्पीकर साहब की। क्या बात कर रहे हैं?...(व्यवधान)

श्री प्रमोद महाजन : मुझे बताने दें। दो सैन्टेन्स तो सुनिये।

सरदार बूटा सिंह : आप गलत बोल रहे हैं।

श्री प्रमोद महाजन : मैंने तो अभी कुछ बोला ही नहीं, तो गलत तो बाद में बोलूँगा।

अध्यक्ष महोदय : नहीं नहीं, बाद में गलत मत बोलना।

श्री प्रमोद महाजन : मैंने कुछ बोला ही नहीं।

MR. SPEAKER: How can I permit you to speak like that? गलत बोलने की इजाज़त मैं आपको कैसे दे सकता हूँ?

श्री प्रमोद महाजन : मैंने केवल इतना कहा है कि माननीय सदस्य राट्रपाल जी ने यह विाय उठाया था कि जो रिपोर्ट आती हैं, उन पर बहस नहीं होती है। तब मैंने उनसे कहा था कि इस पर जरूर बहस होनी चाहिए। चूंकि यह विाय उन्होंने उठाया था, इसलिए उन्होंने कहा कि 12 दिसम्बर के बाद इसे लिया जाए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मंत्री जी अभी बोल रहे हैं। आप कृपया बैठिए। मैंने आपको इजाजत नहीं दी है। मैं इस प्रकार से सदन में नहीं चलने दूंगा। No, I am sorry. Hon. Members, do not try to take advantage of this. This is not fair. आप बाद में बोलिए।

श्री प्रमोद महाजन : मैं इस क्षण भी कह रहा हूं कि इस सप्ताह में आज, कल और परसों, हमारे पास तीन दिन हैं। इनमें से किसी भी दिन दलितों के विाय पर यदि चर्चा लेनी हो तो चर्चा जरूर लीजिए। सरकार को इसमें कोई आपत्ति नहीं है। इस पर आप चर्चा कीजिए।

श्री राम विलास पासवान : सर, जिस दिन आपने रूलिंग दी थी, उस दिन प्रमोद महाजन जी उपस्थित नहीं थे। जो महाजन साहब बता रहे हैं, यह बहुत पहले की बात है। जिस दिन सदन में सदस्य एजीटेटेड थे, उस दिन स्पीकर साहब से हमने इस विाय पर डिस्कशन की मांग की थी। स्पीकर साहब आप अपनी रूलिंग को देखि ए। You are the custodian of the House.आपने हाउस में रूलिंग दी थी कि मैं मिनिस्टर साहब को स्टेटमेंट देने के लिए निवेदन करूंगा और

उनकी स्टेटमेंट के बाद इस पर चर्चा होगी। मैं मंत्री जी को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने इस विाय पर अपना स्टेटमेंट दे दिया, लेकिन उसके बाद, जो आपकी रूलिंग थी कि इस पर डिसकशन होगा, वह दो सप्ताह पूरे होने के बाद आज तक नहीं हुआ है। ह्न(व्यवधान)

श्री प्रमोद महाजन : आप दोा किस को दे रहे हैं। सरकार तो इसके लिए तैयार है। ...(व्यवधान)

श्री राम विलास पासवान : महोदय, मैं किसी को दोा नहीं दे रहा हूं। मैं तो यह कह रहा हूं कि सरकार को इसमें हम दोाी नहीं मानते हैं, लेकिन चेयर ने जो एश्योरेंस दी थी, उसका पालन होना चाहिए और चूंकि उसका पालन नहीं हो रहा है इसलिए हम कह रहे हैं कि इस पर डिसकशन होना चाहिए। आने वाले तीनों दिनों में इंटरनल सिक्योरिटी, किसानों की समस्या एवं अन्य विाय बहस के लिए निश्चित किए गए हैं, लेकिन शेड्यूल्य ट्राइब पर जो एट्रोसिटीज हो रही हैं, उन पर कोई बहस नहीं कराई जा रही है और इस प्रकार से ढिलाई बरती जा रही है।

महोदय, यदि हम होम मिनिस्टर सहाब की रिप्लाई से सैटिस्फाइड होते, तो डिसकशन नहीं मांगते, लेकिन होम मिनिस्टर के स्टेटमेंट से सैटिस्फाइड नहीं हैं। वह गलत है और उसमें तथ्यों को छिपाया गया है। इसलिए हमने मांग की है कि इस पर डिसकशन होना चाहिए। इसलिए अध्यक्ष महोदय, आप आज सदन में घोाणा कीजिए कि इस पर डिसकशन होगा। ...(व्यवधान)

सरदार बूटा सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरे नोटिस पर आपने रूलिंग दी थी। ...(व्यवधान) ...(व्यवधान)

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : बूटा सिंह जी आप बैठिए। इस प्रश्न पर झगड़े की कोई बात नहीं है। उस दिन मैंने मंत्री जी से स्टेटमेंट करने का निवेदन किया था। उन्होंने यहां स्टेटमेंट दे दिया। आप सबने कहा था कि यह विाय इतना महत्वपूर्ण है कि इस पर पूरी चर्चा होनी चाहिए। चूंकि यह दलितों पर अत्याचार का विाय है और अभी-अभी जो रीसेंटली अत्याचार हुए थे, उन पर भी चर्चा करनी आवश्यक थी इसलिए मैंने कहा था कि मैं इस विाय को बिजनैस एडवायजरी कमेटी के समक्ष प्रस्तुत कर दूंगा। मैंने इस विाय को बिजनैस एडवायजरी कमेटी के सामने समय निर्धारित करने के लिए प्रस्तुत कर दिया, लेकिन चूंकि तीन-चार और विाय अत्यन्त महत्वपूर्ण थे इसलिए दलितों पर अत्याचार के विाय पर चर्चा करने हेतु समय तय नहीं किया जा सका। अभी-अभी मंत्री जी ने कहा

है कि यदि इस विाय पर चर्चा करनी है, तो की जा सकती है। इसलिए अब इसका एक ही रास्ता है कि इस मीटिंग के समाप्त होने के बाद आप प्रमुख नेता मेरे चैम्बर में आएं। मैं मंत्री जी को भी बुलाउंगा। यदि इस डिसकशन को रखना है, तो दो-तीन दिन हैं, यदि इस पर चर्चा करने के लिए पूरा सदन तैयार है, तो कोई दूसरा विाय, जिस पर सब सहमत हों, उसे बाद में रखकर इस विाय पर चर्चा कर सकते हैं। इसमें किसी के भी दो मत नहीं हैं। ...(व्यवधान)

श्री राम विलास पासवान : अध्यक्ष महोदय, आज सदन में आप घोाणा कीजिए कि इस विाय पर चर्चा कराएंगे। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : नहीं, मैं नहीं कह सकता हूं। यह निर्णय लेने का अधिकार सदन का होता है। इस बारे में नेतागण तय करेंगे। मैं फिर कह रहा हूं कि आप जिस किसी विाय पर डिसकशन कराना चाहते हैं वह हो सकता है, लेकिन कौन से विाय पर डिसकशन करानी है, यह अधिकार अध्यक्ष का नहीं है। यह अधिकार बिजनैस एडवायजरी कमेटी का है। पार्लियामेंट्री अफेयर्स मिनिस्टर का अधिकार है। उन्होंने अभी कहा है कि दो-तीन दिन में चर्चा हो सकती है, वे इसके लिए तैयार हैं।

श्री राम विलास पासवान : आप इसे नियम 193 में क्यों लेते हैं, आप इसे एडजर्नमेंट मोशन के रूप में क्यों स्वीकार नहीं करते ? ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं इसीलिए कहता हूं कि इस पर 193 में पूरा डिसकशन होगा और पूरा डिसकशन कराना है।

...(व्यवधान)

श्री राम विलास पासवान : सर, बिजनैस एडवाइजरी कमेटी से हाउस बड़ा है। Why do you not allow an Adjournment Motion on this ? ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : बैठक में हम तय करेंगे कि इस पर कौन से माध्यम से चर्चा करानी है।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हम वहां बैठकर तय करेंगे कि इस पर किस माध्यम से चर्चा करानी है। इस वि-ाय पर चर्चा करने के लिए मेरी इजाजत है।

...(व्यवधान)

श्री राम विलास पासवान : अध्यक्ष महोदय, हाउस में एस.सी./एस.टी. कमीशन की रिपोर्ट आती है ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : लंच के लिए जब हाउस एडजर्न होगा, तब आप मेरे चैम्बर में आइये। उस समय हम इस विाय पर निर्णय करेंगे।

...(व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में तय नही हुआ है... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : सुधीरन जी, आप अपना प्रश्न रखिये।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं एक के बाद एक नोटिस को ले रहा हूं। यदि आप शांति से सुनेंगे तो मैं सभी के नोटिस ले सकता हूं।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यह विाय गंभीर है, तभी मैं चर्चा के लिए ले रहा हूं।

...(व्यवधान)

श्री रामदास आठवले : अध्यक्ष महोदय, इस पर कल या परसों चर्चा होनी चाहिए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : महाराट्र के होने के बावजूद आप क्या कर रहे हैं ?

...(व्यवधान)